मंत्री
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार

MINISTER
FOOD PROCESSING INDUSTRIES
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

Chirag Paswan
चिराग पासवान

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा हिंदी के संवर्धन और प्रभावी प्रयोग में योगदान देने वाले मंत्रालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और संबद्ध संस्थानों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत की भाषायी विविधता हमारी सांस्कृतिक समृद्धि और सभ्यतागत चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है। हमारी सभी भारतीय भाषाओं ने अपने साहित्य, ज्ञान, परंपराओं और लोकजीवन के माध्यम से राष्ट्र की साझा विरासत को समृद्ध किया है। इसी बहुभाषी परंपरा में हिंदी ने देश के विभिन्न भागों के लोगों के बीच संवाद और संपर्क की भाषा के रूप में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है।

राजभाषा के रूप में हिंदी का व्यापक और प्रभावी प्रयोग शासन को नागरिकों के और निकट लाने का माध्यम है। सरकार की योजनाएँ, प्रक्रियाएँ और सूचनाएँ जब सरल और सहज भाषा में उपलब्ध होती हैं, तो नागरिकों के लिए उनसे जुड़ना और उनका लाभ प्राप्त करना अधिक सुगम होता है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का क्षेत्र किसानों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, स्टार्टअप्स और अनेक स्थानीय उद्यमों से सीधे जुड़ा है। इनके लिए योजनाओं की जानकारी, आवेदन संबंधी सामग्री, प्रशिक्षण और तकनीकी ज्ञान ऐसी भाषा में उपलब्ध होना आवश्यक है, जिसे वे सहजता से समझ सकें। यदि यह सामग्री उनकी समझ की भाषा में उपलब्ध न हो, तो भाषा स्वयं योजना और लाभार्थी के बीच बाधा बन जाती है।

राजभाषा के प्रभावी प्रयोग के लिए सरलता और सहजता आवश्यक हैं। हमारी भाषा स्पष्ट, स्वाभाविक और सहज बोधगम्य होनी चाहिए। कठिन और अप्रचलित शब्दों के स्थान पर ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिन्हें सामान्य पाठक आसानी से समझ सके।

मैं निफ्टेम-कुंडली और निफ्टेम-तंजावुर सहित मंत्रालय के सभी संबद्ध संस्थानों से अपेक्षा करता हूँ कि योजनाओं के दिशानिर्देश, आवेदन प्रपत्र, प्रशिक्षण सामग्री और नागरिकों से संबंधित प्रमुख सूचनाएँ हिंदी के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों की भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएँ। यह कार्य किसी प्रक्रिया के अंत में जोड़ी गई औपचारिकता न होकर उसकी शुरुआत से ही उसका हिस्सा होना चाहिए।

हिंदी दिवस के अवसर पर मैं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से यह आग्रह करता हूँ कि वे मंत्रालय के कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। यह हम सभी का दायित्व है कि मंत्रालय में राजभाषा हिंदी के लिए उत्साहवर्धक वातावरण बना रहे और हम सभी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देते रहें।

जय हिंद!

14 सितंबर, 2026

(चिराग पासवान)

कार्यालयः पंचशील भवन, अगस्त क्रान्ति मार्ग, नई दिल्ली -110 049
Office: Panchsheel Bhawan, August Kranti Marg, New Delhi-110 049
दूरभाष/Tel.: +91 11 26493889, 26493890, ई–मेल/e-mail: minister.fpi@nic.in